पाठ –3
‘नादान दोस्त’

1 पठित गद्यांश :- दिए गए गद्यांश को पढ़कर उत्तर दें –

केशव के घर कार्निस के ऊपर एक चिड़िया ने अंडे दिए थे। केशव और उसकी बहन श्यामा दोनों बड़े ध्यान से चिड़िया को वहाँ आते-जाते देखा करते। सवेरे दोनों आँखें मलते कार्निस के सामने पहुँच जाते और चिड़ा और चिड़िया दोनों को वहाँ बैठा पाते। उनको देखने में दोनों बच्चों को न मालूम क्या मज़ा मिलता, दूध और जलेबी की सुध भी न रहती थी। दोनों के दिल में तरह-तरह के सवाल उठते। अंडे कितने बड़े होंगे? किस रंग के होंगे? कितने होंगे? क्या खाते होंगे आदि? लेकिन इन बातों का जवाब देने वाला कोई नहीं।

1) चिड़िया ने अंडे कहाँ दिए?

उत्तर ....

2) अंडों को कौन ध्यान से देख रहा था?

उत्तर ....

3) उन्हें किस चीज़ की सुध नहीं रहती थी?

उत्तर ....

4) उनके दिल में कैसे सवाल उठते थे?

उत्तर ....

2 निम्नलिखित शब्दों में लगे प्रत्यय अलग कीजिए –

	शब्द	**मूल शब्द**	**प्रत्यय**
1)	पुरानी	पुराना	ई
2)	हिस्सेदार	....	....
3)	शर्मीला	....	....

3 दिए गए शब्दों के लिंग बताइए।

1)	चाँदनी	....	3)	छत	....
2)	कमरा	....	4)	टोकरी	....

4 निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए ‘ग’ से तुक मिलाने वाले शब्द बताओ।

1) किसी संख्या के आस-पास की कोई संख्या (ल .... ग)

2) धोखा देने वाला व्यक्ति (............ग)

3) संसार का एक और नाम (............ग)

5 निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाएँ -

1) सूरत ....

2) विश्वास ....

3) घोंसला ....

6 दिए गए शब्दों का वर्ण - विच्छेद करें -

क) नादान :- न्+आ+द्+आ+न्+अ

ख) चिड़िया :- ....

ग) टोकरी :- ....

egyanarchive